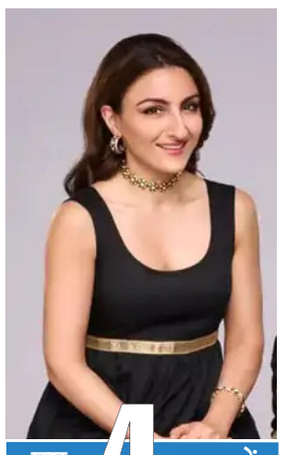

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

फिल्मों के लिए सोहा ने छोड़ी थी बैंक की

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 | अंक : 295 | शुक्रवार, 21 फरवरी 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas | ulhasvikas@gmail.com | FOLLOW US | Google Play | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. | Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

भाई की गोली मारकर हत्या

- गोलीबारी करने वाला चचेरा भाई गिरफ्तार
- जौनपुर में चल रहे जमीन विवाद को लेकर की हत्या

कल्याण. उत्तर प्रदेश के जौनपुर में चल रहे जमीन विवाद को लेकर एक व्यक्ति ने कल्याण पूर्व के नाना पावशे चौक स्थित एक इमारत में अपने चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। कोलसेवाड़ी पुलिस ने तुरंत मामले की जांच की और गोलीबारी करने वाले को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम रामसागर दुबे है। गोलीबारी में मारे गए व्यक्ति का नाम रंजीत दुबे है। मृतक एक गिरोह का सदस्य था। उनके खिलाफ मोका के तहत कार्रवाई की गई थी. जांच में पता चला है कि गोली चलाने वाले रामसागर का भी उत्तर प्रदेश पुलिस में आपराधिक रिकार्ड है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मृतक रंजीत दुबे अपने परिवार के साथ कल्याण पूर्व के नाना पावशे चौक स्थित एक बिल्डिंग में रहता है। गिरफ्तार आरोपी रामसागर दुबे उत्तर प्रदेश के जौनपुर का निवासी है। रामसागर और रंजीत की जौनपुर में संयुक्त जमीन है। वे पिछले चार वर्षों से इस भूमि मुद्दे पर बहस कर रहे हैं। पिछले साल इस विवाद को लेकर उनमें बड़ा झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोनों कुछ दिनों तक उत्तर प्रदेश की जेल में रहे। दोनों हाल ही में जेल से रिहा हुए थे।

जेल से रिहा होने के बाद वे फिर से जमीन पर बहस करने लगे। बुधवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे जब रंजीत कल्याण स्थित अपने आवासीय भवन के बाहर खड़ा था, तभी रामसागर दुबे अचानक वहां आ पहुंचा। उसने रंजीत पर गोलियां चलाईं. रंजीत अपनी जान बचाने के लिए इमारत की चौथी मंजिल पर भाग गया। लेकिन वहां वह गिर पड़ा। इसके बाद रामसागर ने रंजीत पर धारदार चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। रंजीत के परिवार ने कहा कि इस सारे विवाद के मद्देनजर हमने पहले ही पुलिस स्टेशन में आवेदन दे दिया था। उनकी बात पर विचार नहीं किया जा रहा था.

दोनों भाई के आपराधिक रिकार्ड

गोलीबारी और हत्या की जानकारी मिलने पर कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर सबजी नाइक रंजीत की बिल्डिंग में दाखिल हुए। रंजीत के शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए मनपा के रुक्मिणीबाई अस्पताल भेज दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और कल्याण से गोली चलाने वाले रामसागर दुबे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में पता चला है कि दोनों का आपराधिक इतिहास है।

अंबरनाथ में 10 बाइक, 1 कार जली

- ई बाईक की बैटरी फटने से लगी आग
- अंबरनाथ के पालेगांव की घटना
- वाहनों का हुआ भारी नुकसान

यूसुफ शेख

अंबरनाथ। अंबरनाथ के पालेगांव में एक बड़ी दुर्घटना हुई है। बुधवार रात को एक इमारत के बाहर खड़ी एक ई बाईक की बैटरी फटने से उस गाड़ी में आग लग गई और पास में खड़ी अन्य वाहनों को भी अपने चपेट में ले लिया। रात 1 बजे ये हादसा होने से कोई जनहानि नहीं हुई है। ऐसी जानकारी शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक रमेश पाटील ने दी है। यह घटना पालेगांव में पटेल स्टोर के समक्ष हैरीटेज बिल्डिंग के बाहर हुई है। आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड को खबर कर आग को बुझाया गया। तब तक ई बाईक के आस पास खड़ी 10 बाईक और एक कार जलकर स्वाहा हो चुके थे। शिवाजी नगर पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। अब यहां की सोसायटी में यह चर्चा हो रही है कि ई बाईक को दूसरे बाईक या कार से दूर पर पार्किंग करने के लिए कहा जाए। रात एक बजे ई बाईक में ब्लास्ट कैसे हुआ उसका कारण क्या है ये अब तक चर्चा का विषय है। पुलिस जांच कर रही है।

अंबरनाथ GIP तालाब में डूबकर युवक की मौत

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जीआईपी तालाब में डूबकर एक युवक की मौत हो गई है. युवक का नाम सूरज चौहान बताया गया है. बुधवार को शाम तक अंबरनाथ अग्निशमन दल ने पानी में उसकी तलाश की, लेकिन शाम तक उसका शव नहीं मिला था. गुरुवार दोपहर में एक बजे उसका शव पानी के ऊपर आने के बाद अग्निशमन दल के कर्मचारियों ने शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

बुधवार को सूरज और उसके दोस्त नहाने के लिए जीआईपी तालाब गए, जहां पानी की गहराई का अंदाज ना आने से सूरज डूब गया. दोस्तों ने तुरंत अग्निशमन दल और शिवाजी नगर पुलिस को खबर किया. पानी में शाम तक दल के कर्मचारियों ने शव को तलाश किया. शाम में तलाशी के कार्य को रोक दिया गया था. गुरुवार दोपहर को सूरज का शव पानी के ऊपर आ गया.

जीआईपी तालाब में इस माह की ये दूसरी घटना

सूरज शहर के मोतीराम पार्क भवानी चौक का निवासी था. वह इलेक्ट्रिशियन का काम करता था. वह घर में अकेला ही रहता था. कोलकाता में उसके पिता को खबर किया गया है. सूरज सब से मिल जुल कर रहता था. उसकी अचानक मौत से परिसर में दुख का माहौल है. जीआईपी तालाब में इस महिने में पानी में डूबकर मरने की ये दूसरी घटना है.

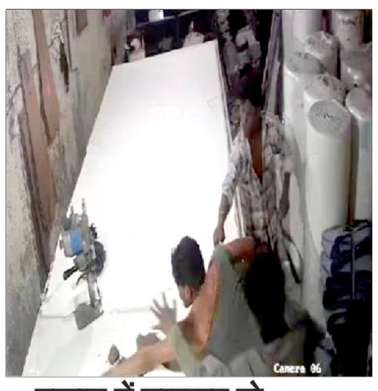

होली से पहले ही गुब्बारा मारने को लेकर राडा

- दुकान में घुसकर दो लोगों की बेरहमी से पिटाई
- घटना सीसीटीवी में कैद

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां 7 से 8 लोगों के एक गिरोह ने एक दुकान में घुसकर पानी का गुब्बारा फेंके जाने से नाराज होकर दो लोगों की बेरहमी से पिटाई कर दी। यह घटना उल्हासनगर के कैंप-5 स्थित एक दुकान में हुई और पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

उल्हासनगर के कैंप 5 स्थित गणेश नगर में एक व्यक्ति पर गुब्बारा फेंके जाने को लेकर भारी हंगामा हुआ। 7 से 8 लोगों का एक गिरोह दुकान में घुस आया और दो लोगों की बेरहमी से पिटाई कर दी। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हमले में इरशाद अली और अब्दुल हकीम गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इरशाद अली की गणेश नगर में जींस की फैक्ट्री है, जहां कुछ नाबालिग बच्चे सड़क पर गुब्बारे उड़ा रहे थे।

इस बहस के कारण दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद गिरोह ने दुकान में घुसकर इरशाद और अब्दुल हकीम पर हमला कर दिया और उनकी बुरी तरह पिटाई कर दी। इस मामले में फिलहाल हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और पुलिस आगे की जांच कर रही है। हालांकि, होली से ठीक पहले हुई इस घटना के बाद ऐसे गुब्बारे फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी है।

बिना गाड़ी चलाए ही हो रहा ई-चालान

- उल्हासनगर में वाहनों पर नकली नंबर प्लेट का पर्दाफाश

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक वाहन पर शहर में नियम तोड़ने पर जुर्माना लगाया जा रहा है, जबकि उसका उपयोग यात्रा के लिए नहीं किया जा रहा है। ऐसी खबर है कि कल्याण के एक ड्राइवर ने उल्हासनगर के एक व्यक्ति की गाड़ी की नंबर प्लेट अपनी गाड़ी पर लगा ली और अब उस पर नियमों का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया जा रहा है। यही कारण है कि उल्हासनगर में बाइक मालिक परेशान हैं।

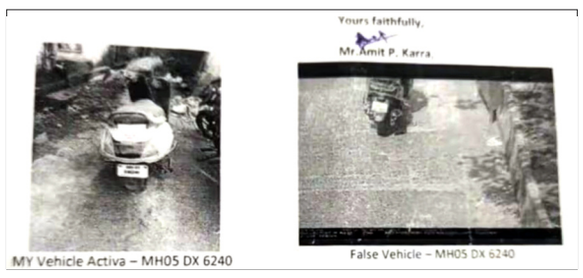

Yours faithfully,
Mr. Amit P. Karra
MY Vehicle Activa – MH05 DX 6240
False Vehicle – MH05 DX 6240

उल्हासनगर में एक बार फिर ऐसी ही स्थिति सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ट्रैफिक नियम तोड़ रहा है और दूसरा जुर्माना भर रहा है। राकेश करीरा उल्हासनगर कैंप-2 में रहते हैं और उनके पास सफेद एक्टिवा बाइक है जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर MH 05 DX 6240 है। करीरा को हर महीने संदेश मिलता है कि उनकी एक्टिवा पर जुर्माना लगाया गया है। हालांकि, जुर्माने की रसीद के साथ दिए गए फोटो को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि इसमें उसी लाइसेंस प्लेट नंबर वाली बर्गमैन कंपनी की बाइक है। यह बात सामने आई है कि बर्गमैन चालक करीरा की एक्टिवा का नंबर इस्तेमाल कर वाहन चला रहा है। यह जुर्माना कल्याण क्षेत्र में वाहनों पर लगाया जाता है और 2022 से करीरा को यह जुर्माना भरना पड़ रहा है. उन्होंने इस बारे में ट्रैफिक पुलिस से भी शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

इससे पहले उल्हासनगर शहर में एक अभियान के दौरान रिक्शा को लेकर ऐसी ही घटना हुई थी। जब ट्रैफिक पुलिस ने एक रिक्शा को रोककर उसकी जांच शुरू की तो उन्हें उसी नंबर प्लेट वाला एक और रिक्शा विपरीत दिशा से आता दिखाई दिया। इसलिए, एक ही नंबर के दो रिक्शा शहर में चलते देखे गए। जब दस्तावेजों की जांच की गई तो एक रिक्शा फर्जी पाया गया और चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। हालाँकि, पिछले कुछ महीनों में ईमानदार रिक्शा चालकों को हजारों रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ा है। इसलिए ट्रैफिक पुलिस सलाह दे रही है कि अगर ऐसी कोई घटना सामने आए तो तुरंत शिकायत दर्ज कराएं।

कल्याण वालधुनी पुल पर बाइक में लगी आग

कल्याण. कल्याण के वालधुनी उड़ान पुल पर गुरुवार दोपहर एक चलती बाइक में आग लगने की सनसनीखेज घटना सामने आई हैं.

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि इस जली हुई बाइक पर ट्रैफिक पुलिस अन्य वाहनों को ट्रैफिक रोकने की हिदायत दे रही है और समझा जा रहा है कि बढ़ती गर्मी के कारण चलती बाइक में आग लगने और घबराए बाइक चालक द्वारा बाइक वहीं छोड़ देने की बात सामने आ रही है. सौभाग्य से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई.लेकिन जबतक आग बुझाई जाती तबतक बाइक पूरी तरह धूं-धूं कर जल जल गई,

आज से दसवी की परीक्षाएं शुरू

- जिले में 1 लाख 21 हजार 244 विद्यार्थी देंगे परीक्षा

ठाणे. महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित 10वीं कक्षा की परीक्षा आज यानी 21 फरवरी से शुरू हो रही है। शिक्षा विभाग ने परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। यह परीक्षा ठाणे जिले में 338 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इस वर्ष शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए जिले से 1 लाख 21 हजार 244 विद्यार्थी 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए हैं।

पिछले साल ठाणे जिले से 1 लाख 21 हजार 22 विद्यार्थी शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए 340 परीक्षा केंद्रों पर 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए थे। इस वर्ष विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है और ठाणे जिले से 1 लाख 21 हजार 244 विद्यार्थी 338 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें से 60 ग्रामीण क्षेत्रों में और 278 नगरपालिका क्षेत्रों में होंगे।

नकलविहीन परीक्षा के लिए 6 उड़नदस्ते तैनात

जिले में 10वीं कक्षा की परीक्षा नकल मुक्त कराने के लिए जिला परिषद के माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा छह उड़नदस्ते नियुक्त किए गए हैं। तालुका और प्रत्येक नगरपालिका स्तर पर दो बैठक टीमें नियुक्त की गई हैं। ये टीमें परीक्षा केंद्रों पर विशेष ध्यान देंगी। राजस्व विभाग के अंतर्गत जिला कलेक्टर द्वारा उड़नदस्ते नियुक्त किये गये हैं। इसके अलावा, जिला स्तर के विभाग प्रमुखों को परीक्षा केंद्रों का दौरा करने की योजना बनाई गई है, यह जानकारी माध्यमिक शिक्षा अधिकारी ललिता दहीतुले ने दी।

मनपा एवं तालुका निहाय परीक्षा केंद्र

मनपा/तालुका	परीक्षा केंद्र
ठाणे	74
नवी मुंबई	40
कल्याण डोंबिवली	86
कल्याण ग्रामीण	02
उल्हासनगर	21
अंबरनाथ	21
मुरबाड	11
शाहपुर	09
भिवंडी	35
भिवंडी ग्रामीण	17
मीरा भयंदर	22
कुल	338

शिवरात्रि से पहले नेताजी चौक से कैलाश कॉलोनी तक सड़क की मरम्मत की मांग

- मनसे ने मनपा से की मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में एमएमआरडीए की सात सड़कों पर काम चल रहा है। चूंकि ये सभी कार्य बहुत धीमी गति से चल रहे हैं, इसलिए शहर के नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इनमें से कुछ परियोजनाओं के कार्यादेश काफी समय से लंबित हैं और प्रशासन इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए कोई प्रयास करता नहीं दिख रहा है।

मनसे जिला अध्यक्ष बंडू देशमुख और शहर अध्यक्ष संजय घुगे ने आरोप लगाया है कि एमएमआरडीए प्रशासन नागरिकों की समस्याओं की परवाह नहीं कर रहा है और काम में देरी के बावजूद आज तक ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कई काम घटिया गुणवत्ता के साथ किए जा रहे हैं, वहीं ठेकेदारों पर प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं दिख रहा है।

इस बीच, कैंप 5 में नेताजी चौक से कैलाश कॉलोनी तक सड़क का काम महाशिवरात्रि तक पूरा होने की उम्मीद है। चूंकि महाशिवरात्रि पर अंबरनाथ शिव मंदिर में बड़ी तीर्थयात्रा होती है, इसलिए लाखों भक्त इसी सड़क से दर्शन करने आते हैं। इसलिए इस सड़क पर आंशिक कार्य से श्रद्धालुओं को भारी असुविधा होगी। प्रशासन से इस ओर ध्यान देने की अपेक्षा है। लेकिन बंडू देशमुख ने कहा कि प्रशासन ठेकेदार का साथ देने के लिए इस सड़क के मामले में नींद का नाटक कर रहा है। सड़क का काम अधूरा होने के बावजूद बंडू देशमुख और संजय घुगे ने मांग की है कि प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि यात्रा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो।

कैम्प-5 से मनपा मुख्यालय, सरकारी कार्यालय, न्यायालयों तक बस सेवा शुरू करने की मांग

उल्हासनगर. महानगरपालिका ने शहाड़ से उल्हासनगर 5 के प्राचीन शिव मंदिर तक बस सेवा शुरू की गई है। इस बीच, बस संख्या 102 खेमानी मार्ग पर और बस संख्या 101 गोल मैदान मार्ग पर प्राचीन शिव मंदिर तक चल रही है। हालांकि, शहर में फिलहाल चार से पांच बसें चल रही हैं। मनपा ने आश्वासन दिया है कि शहर में नागरिकों के लिए 20 बसें उपलब्ध कराई जाएंगी, लेकिन केवल चार से पांच बसें ही चलती नजर आ रही हैं। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट ने मांग की कि कैंप 5 से नगर निगम मुख्यालय होते हुए चोपड़ा कोर्ट तक के रूट पर बसें शुरू की जाएं। प्रशांत चंदनशिव ने मनपा आयुक्त को दिए बयान में यह बात कही है।

अंबरनाथ में शिवकालीन अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन

- विधायक कथोरे, किणीकर, तहसीलदार ने उपस्थिति दर्ज की

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व कानसई में विठ्ठल रखुमाई के प्रांगण में छत्रपति शिवाजी महाराज के 250 से 300 प्रकार के शिवकालीन अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन के लिए रखे गए थे. जिसे देखने के लिए शहरवासियों ने अच्छा प्रतिसाद दिया. छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती पर विठ्ठल रखुमाई मंदिर, प्रतीक शर्मा एवं बदलापुर के वैद्य इतिहास के माध्यम से ये प्रदर्शनी आयोजित की गई थी, जिसे देखने के लिए अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, मुरबाड विधायक किशन कथोरे, तहसीलदार अमित पुरी ने अपनी उपस्थित दर्ज कराकर कहा कि ये छत्रपति शिवाजी महाराज शिवकालीन के अस्त्र - शस्त्र देखने का अंबरनाथ वासियों के लिए सुनहरा मौका रहा. एक अच्छा उपक्रम है. इस प्रदर्शनी में शिवकालीन अस्त्र-शस्त्र, ब्रिटिश फ्रेंच तलवार, पुराने सिक्के, भाला, ढाल, कोयता, कटियार, कुल्हाड़ी, विविध प्रकार के शिवकालीन अस्त्र-शस्त्र प्रदर्शन के लिए रखे गए थे.

शीलफाटा रोड पर 71 वाहन चालकों के खिलाफ अपराध दर्ज

- विपरीत लेन से आने वाले वाहनों के कारण रोजाना लग रहा जाम

कल्याण. डोंबिवली-कल्याण शिलफाटा रोड पर ट्रैफिक जाम से बचने के लिए अधिकांश चालक विपरीत लेन में गाड़ी चलाते हैं। इससे सीधे रास्ते पर आने वाले वाहनों का रास्ता बाधित हो रहा है और यातायात बाधित हो रहा है। बुधवार को कोलसेवाड़ी यातायात विभाग ने यातायात में बाधा डालने वाले 71 अनियंत्रित चालकों के खिलाफ मनपाड़ा पुलिस स्टेशन में यातायात नियमों का उल्लंघन करने और दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वाले कृत्य करने के आरोप में मामले दर्ज किए।

शीलफाटा रोड, सोनारपाड़ा और गोलवली इलाकों में रुनवाल गार्डन कॉम्प्लेक्स के सामने सड़क के बीचों-बीच मेट्रो का काम चल रहा है। ठेकेदार ने मेट्रो कार्य के लिए सड़क के बीच में सुरक्षात्मक चादरें लगा दी हैं। इन पत्रों के कारण मेट्रो कार्य स्थल पर सड़कें संकरी हो गई हैं। इस संकरे इलाके में रोजाना ट्रैफिक जाम रहता है। जब यह जाम लगता है तो कई वाहन चालक विपरीत लेन से आकर इस संकरी सड़क से गुजरने की कोशिश करते हैं। इससे दुविधा और बढ़ रही है।

शीलफाटा रोड पर ट्रैफिक जाम से बचने के लिए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन सांडभोर के नेतृत्व में पत्रीपुल से पलावा, देसाई और खिडकाली तक यातायात पुलिस और यातायात सेवकों को तैनात किया गया है। शिलफाटा रोड पर विपरीत लेन में आने वाले वाहनों का मार्ग अवरुद्ध हो जाता है तथा यातायात बाधित होता है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सांडभोर ने बताया कि ऐसे दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्णय वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर लिया गया है, क्योंकि विपरीत लेन से आने वाले वाहन चालक यातायात जाम की स्थिति पैदा कर रहे हैं।

बुधवार दोपहर को पुलिस ने मनपाड़ा पुलिस स्टेशन में ट्रैफिक कांस्टेबल सचिन बोरकर की शिकायत पर, मनपाड़ा चौक, रुनवाल गार्डन (मेट्रो का काम चल रहा है) और शिलफाटा रोड पर कटाई चौक के बीच, रुनवाल गार्डन और मनपाड़ा चौक के बीच विपरीत लेन में वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ उनके वाहन पंजीकरण नंबर के आधार पर मामला दर्ज किया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

सहजीवन संबंध भी समाज का हिस्सा

भारत में विवाह को स्त्री-पुरुष संबंध का मजबूत आधार माना जाता है। इसी से परिवार की नींव पड़ती है और हमारा समाज बनता है। इसके बरक्स अपने देश में सहजीवन को अभी तक सामाजिक मान्यता नहीं मिली है। अलबत्ता, ऐसे रिश्ते चुनने वाले युगलों पर कोई वैधानिक रोक नहीं है। लोकतांत्रिक समाज की इसे उदारता कह सकते हैं। फिर भी सहजीवन के विरोध और समर्थन में प्रायः दलीलें दी जाती रही हैं। कई वर्ष पहले विवाह पंजीकरण विधेयक पारित होने के बाद भी सहजीवन को लेकर सवाल उठे थे और इसकी व्यावहारिकता पर प्रश्नचिन्ह लगे थे।

आखिरकार सहजीवन में रह रहे युगल भी समाज का हिस्सा होते हैं और जहां भी रहते हैं, वहां उन्हें सब देखते और जानते ही हैं। इस तरह उनका कुछ भी गोपनीय नहीं रहता। ऐसे ही एक युगल के तर्क पर उत्तराखंड उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी गलत नहीं कि जब आप विवाह किए बिना साथ रहते हैं, तो सहजीवन का पंजीकरण आपकी निजता पर हमला कैसे हुआ? आप समाज में रह रहे हैं, न कि जंगल में। इसमें कोई दो मत नहीं कि अगर ऐसे किसी रिश्ते में गहरा समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसा है, तो फिर डर कैसा?

दरअसल, उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद सहजीवन का पंजीकरण अनिवार्य करने के खिलाफ एक याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है। आज की पीढ़ी को यह समझने की जरूरत है कि ऐसे रिश्ते के लिए यह कानूनी व्यवस्था क्यों करनी पड़ी? ऐसा क्यों लगता है कि सहजीवन से विवाह संस्था को खतरा है। क्या कोई भी समाज परिवार बनाने और बचाने की भावना को कमजोर होते देख सकता है?

वहीं स्त्रियों की सुरक्षा भी बड़ा मुद्दा है। सहजीवन में रह रहीं कई महिलाओं से मारपीट और घरेलू हिंसा के मामले सामने आने के बाद भारतीय समाज में चिंता बढ़ी है। सहजीवन में जन्मी संतानों और उनकी मांओं के कानूनी अधिकार को भी नजरअंदाज नहीं किया सकता। ऐसे में इस तरह के रिश्ते के पंजीकरण से भला क्यों परहेज होना चाहिए? यह अजीब बात है कि हम आधुनिकता की अंधी गलियों में आंखें मूंदे क्यों भटक रहे हैं।

उत्सव की तरह आयोजित हों परीक्षाएं

इन दिनों देश भर में विभिन्न बोर्डों की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाएं हो रही हैं। इनमें करोड़ों विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छात्रों को परीक्षा के भय से मुक्त करने के लिए परीक्षा पे चर्चा जैसे अपने जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके जरिये उन्होंने देश भर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को साथ जोड़कर परीक्षा को तनावमुक्त बनाने का प्रयास किया।

परीक्षा पे चर्चा विद्यार्थियों को 'परीक्षा योद्धा' के रूप में निर्मित करने की प्रक्रिया का भाग है। इसका उद्देश्य देश में यह भाव पैदा करना है कि छात्र परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाना प्रारंभ करे। देखा जाए तो भारतीय परीक्षा प्रणाली परीक्षाओं में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने के दबाव के कारण रटकर याद करने पर अत्यधिक बल देती है। यह एक नकारात्मक प्रथा है, जिससे जिज्ञासा, आलोचनात्मक सोच और विश्लेषण की हमारी प्राचीन भारतीय परंपरा काफी हद तक प्रभावित हुई है। हालांकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति हमारे विश्वास को पुनः जागृत कर इन प्रतिगामी समस्याओं को हल करने का प्रयास कर रही है, जो मुख्यतः आलोचनात्मक सोच और सीखने-जानने एवं मूल्यांकन के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित है।

इसका समग्र उद्देश्य एक सर्वांगीण और संतुलित व्यक्तित्व का निर्माण करना तथा युवाओं में सोचने की प्रवृत्ति एवं कौशल सीखने को प्रेरित करना है। करीब-करीब सभी को परीक्षा के कारण

होने वाले तनाव का विभिन्न स्तरों पर सामना करना पड़ता है। व्याकुलता (एंग्जायटी), चिंता, भावुकता और डर जैसे शब्द दुनिया भर में परीक्षाओं अथवा मूल्यांकनों के साथ जुड़े हुए हैं।

यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि 'एंग्जायटी' शब्द 2021 का आक्सफोर्ड चिल्ड्रन वर्ड आफ द ईयर घोषित हुआ था। अंतरराष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा) ने 2015 में एंग्जायटी का एक नया सामान्य सूचकांक प्रस्तुत किया-स्कूलवर्क एंग्जायटी सूचकांक। इस सूचकांक में छात्रों के स्कूल के कार्यों और परीक्षाओं पर उनकी प्रतिक्रियाओं की गणना की जाती है।

यह सामान्य बात है कि परीक्षा के समय केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) हेल्पलाइन पर फोन काल की बाढ़ आ जाती है। एनसीईआरटी के 2022 के एक सर्वेक्षण में 81 प्रतिशत छात्रों ने पढ़ाई, परीक्षा और नतीजों को एंग्जायटी का कारण बताया था। अधिकांश अनुभवजन्य शोधों ने स्कूली उपलब्धि और परीक्षा की व्याकुलता के बीच विपरीत संबंध दिखाया है। इसलिए छात्रों को इससे बचाना जरूरी है।

परीक्षाओं को आत्म-अनुशासन के साथ समझना और उसका सुसंगत समाधान एंग्जायटी-मुक्त परीक्षा की कुंजी है। डिजिटल सामग्री के प्रसार ने शिक्षार्थियों के लिए विकल्पों की अधिकता पैदा कर दी है। इस कारण परीक्षा के समय छात्रों को भ्रामक सूचना और भ्रांतिपूर्ण जानकारी के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए।

यह समझना उचित है कि भ्रामक सूचना झूठी या गलत सूचना होती है और भ्रांतिपूर्ण जानकारी जानबूझकर गुमराह करने के इरादे से दी जाती है। इसलिए छात्रों को परीक्षा के लिए एक प्रमुख शर्त के रूप में निर्धारित पाठ्यपुस्तक पर ही निर्भर रहना चाहिए। विविध पठन सामग्री के संदर्भ में भटकाव को भी दूर किया जाना चाहिए।

यूनेस्को की 2024 की रिपोर्ट 'बिहाइंड द स्क्रींस' में बताया गया है कि 62 प्रतिशत डिजिटल कंटेंट क्रिएटर जानकारी साझा करने से पहले उसकी गहन और व्यवस्थित ढंग से जांच नहीं करते। इसे ध्यान में रखते हुए भ्रम की स्थिति में न पड़कर परीक्षा के दौरान छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा प्रामाणिक स्रोतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अभिभावक को भी चिंता बढ़ाने के बजाय शांति का स्रोत बनना चाहिए, जबकि सरकार और शिक्षा प्रणाली को मांग एवं आपूर्ति सहज बनाने पर काम करना चाहिए।

हमें रटंत पद्धति से हटकर कौशल-आधारित शिक्षा की ओर बढ़ने के लिए आवश्यक उपाय करने चाहिए। कक्षा को जितना जीवंत बनाया जा सके, उतना ही अच्छा है, जिसमें शिक्षक प्रत्येक बच्चे पर व्यक्तिगत ध्यान दें। पाठ्यक्रम को तैयार करने और मूल्यांकन का काम इस तरह किया जाए कि छात्रों में विकासशील मानसिकता को बढ़ावा मिले और वे बौद्धिक बहुलवाद की ओर अग्रसर हों। हमें छात्रों के कल्याण को उच्चतम प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि परीक्षा को।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जीवंत मानव एकता की शुरुआत होती है अपने दिलों से शत्रुता मिटाने से।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

संगम का पानी नहाने लायक नहीं!

प्रयागराज महाकुंभ को लेकर जितना प्रचार-प्रसार किया गया, उत्तम व्यवस्था के जैसे दावे किए गए, जितनी भारी रकम खर्च करने के ब्योरे पेश किए गए, अब लगता है कि वह सब ढिंढोरा पीटने जैसा था। हकीकत में, अव्यवस्थाएं ही अधिक दर्ज हो रही हैं। इसमें लोगों के आने-जाने, रुकने-ठहरने, नहाने वगैरह के दौरान जो दुश्वारियां झेलनी पड़ीं, लोगों को घंटों गाड़ियों में कैद होकर सड़कों पर गुजारना पड़ा, रेलों में ठुंस-ठुंसा कर जैसे तैसे सफर करना पड़ा, भगदड़ में जो जानें गईं, पंडालों में आग लगने की घटनाएं हुईं उन सबसे अलग चिंता की बात यह है कि संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी नहाने लायक था ही नहीं।

उससे त्वचा रोग और दूसरी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होने के खतरे बताए जा रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण को अपनी रपट में बताया है कि संगम क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग दिन लिए गए पानी के नमूनों में गुणवत्ता बहुत खराब दर्ज हुई है। उसमें मानव और पशु मल-मूत्र से पैदा होने वाले 'फेकल कोलीफार्म' नामक जीवाणु की अत्यधिक मात्रा पाई गई है। इस तथ्य को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एक हफ्ते के भीतर रपट तलब की है।

हालांकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने महाकुंभ के स्नान शुरू होने से पहले ही निर्देश दिया था कि गंगा और यमुना के पानी की गुणवत्ता लोगों के नहाने लायक सुनिश्चित होनी चाहिए। मगर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ताजा रपट से तो यही जाहिर होता है कि एनजीटी के

निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का कहना है कि संगम क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्नान करने की वजह से 'फेकल कोलीफार्म' की मात्रा बढ़ गई। मगर यह दलील किसी के गले नहीं उतर रही।

महाकुंभ से पहले संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना का पानी स्वच्छ करने के खूब दावे किए गए। सरकार खुद बता रही थी कि महाकुंभ में चालीस करोड़ से अधिक लोगों के पहुंचने की संभावना है और सौ करोड़ लोगों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की गई हैं। फिर, कैसे संगम क्षेत्र में पानी की सफाई को लेकर ऐसी लापरवाही बरती गई कि लोगों में बीमारी फैलने की आशंका जताई जाने लगी है!

यह छिपी बात नहीं है कि तीर्थ स्थलों पर पूजा सामग्री आदि की वजह से तो गंदगी फैलती है, मगर वह वैसी खतरनाक नहीं होती, जैसी 'फेकल कोलीफार्म' के कारण हो सकती है। सब जानते हैं कि शहरों की गंदगी बिना शोधन के नदियों में गिरा दी जाती है। महाकुंभ में ऐसे गंदे नालों में शोधन यंत्र लगाने की जरूरत थी। पर शायद पर्याप्त मात्रा में नहीं लगाए जा सके। ऐसे पावन पर्वों पर बहुत सारे लोग स्नान के साथ आचमन भी करते हैं, नदी जल पीते हैं।

इसलिए ज्यादा चिंता की बात है कि न जाने कितने लोगों को संक्रमण हो सकता है। जाहिर-सी बात है कि जिस तरह उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ के आयोजन में रह गई खामियों को किसी न किसी तरह ढंकने-छिपाने का प्रयास कर रही है, संगम क्षेत्र में फैले जल-प्रदूषण के तथ्य को भी छिपाने का प्रयास करेगी। मगर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रपट से महाकुंभ के आयोजन में अव्यवस्था की एक और चिंताजनक परत उघड़ गई है।

बेटों को पढ़ाने में बीती जवानी, बुढ़ापे में लड़कों ने सड़क पर फेंका

एक मां-बाप अपनी जिंदगी का सारा हिस्सा अपने बच्चों की परवरिश पर खर्च कर देता है. ये सच है कि

जरा हट के

बच्चे को मां जन्म देती है. उसे दूध पिलाती है लेकिन इसके पीछे जो ढाल बनकर खड़ा रहता है, वो है पिता. पिता अपनी सारी जिंदगी बच्चे को उसकी जरुरत की चीजें देने में खपा देता है. बच्चे की हर डिमांड को पूरा करने पर ही उसे असली ख़ुशी मिलती है.

लेकिन अब कलियुग चल रहा है. यहां एक पिता भले ही अपने बच्चे की परवरिश में सारी जिंदगी लगा देता है लेकिन कुछ स्वार्थी बच्चे बुढ़ापे में उन्हें ही नर्क दिखा देते हैं. मुंबई के धारावी के पास सड़कों पर लोग कुछ दिनों से एक बुजुर्ग को देख रहे थे. ये बुजुर्ग बिना कुछ खाए-पिए सड़कों पर लेटा नजर आ रहा था. जब उसकी कहानी पता चली तो लोगों ने उसके बच्चों को कोसना शुरू कर दिया.

शख्स को उसके बेटे ही बुढ़ापे में सड़क पर छोड़ गए थे. बुजुर्ग के मुताबिक़, उसके दो बेटे हैं. एक चार साल से लंदन में है जबकि दूसरा वकील है. दोनों ही उसकी देखभाल से पल्ला झाड़ चुके हैं. ऐसे में वो आखिरकार सड़क पर रहने को विवश हो गए. बुजुर्ग को सड़क पर देख एक एनजीओ उन्हें अपने साथ ले गए. जहां बुजुर्ग को नहला-धुलाकर अच्छे कपड़े पहनाए गए. इसके साथ ही उन्हें रहने के लिए भी जगह दी गई.

बुजुर्ग की बुढ़ापे में ऐसी हालत देख लोगों का खून खौल गया. जिस बाप ने अपनी जवानी की सारी कमाई अपने बेटों में खर्च कर दी, उन्होंने ही अपने पिता को सड़क पर छोड़ दिया. लोगों ने एनजीओ को बुजुर्ग की मदद के लिए धन्यवाद किया. साथ ही ऐसे बेटों को समाज के लिए कलंक बताया. कई ने लिखा कि आज जो अपने बाप के साथ ऐसा कर रहा है, कल को उसके बेटे भी यही करेंगे.

महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के भोग में चढ़ाएं ये 5 चीजें

हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का व्रत खास महत्व रखता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन महादेव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन सच्चे मन से महादेव की पूजा-अर्चना करने वाले भक्तों की हर मनोकामना भोलेनाथ पूरी करते हैं। इस साल महाशिवरात्रि का व्रत 26 फरवरी को रखा जाएगा। ऐसे में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए उनके भक्त उन्हें उनकी प्रिय चीजों का भोग प्रसाद में बनाकर चढ़ाना चाहते होंगे। अगर आप भी इस तरह की इच्छा रखते हैं तो आइए जानते हैं भोलेनाथ के प्रिय भोग प्रसाद की लिस्ट।

खीर

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का हर भक्त उन्हें प्रसन्न करने के लिए उपवास रखता है। ऐसे में आप शिवरात्रि के दिन भोलेबाबा के प्रसाद में फलाहारी साबुदाना या मखाने की खीर बना सकते हैं। इस खीर को चावलों की खीर की तरह के बनाया जाता है।

ठंडाई

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विषपान के बाद भगवान शिव के शरीर में जलन उत्पन्न हुई, जिसे शांत करने के लिए देवताओं ने भोलेनाथ को ठंडी चीजें खिलाईं। ठंडाई ने भगवान शिव को शीतलता प्रदान करके उन्हें महसूस होने वाली जलन को शांत किया था। यही वजह है कि महाशिवरात्रि पर खासतौर पर भोलेनाथ के भोग में ठंडाई का प्रसाद बनाकर भगवान शिव को चढ़ाया जाता है।

सूजी का हलवा

कोई शुभ अवसर हो या व्रत-त्योहार, घर में मीठा हलवा जरूर बनाया जाता है। आप भी भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए आटे या सूजी का हलवा प्रसाद में बनाकर चढ़ा सकते हैं।

खोया बर्फी

महादेव को सफेद चीज अति प्रिय मानी जाती है। ऐसे में आप उन्हें भोग प्रसाद में मावा यानी खोये की बर्फी भी बनाकर चढ़ा सकते हैं।

पंचामृत

दूध, दही, घी, शहद, और शक्कर से मिलकर बने मिश्रण को पंचामृत के नाम से जाना जाता है। कुछ लोग इसे चरणामृत कहकर भी बुलाते हैं। चरणामृत का अर्थ होता है भगवान के चरणों का अमृत और पंचामृत का अर्थ पांच अमृत यानि पांच पवित्र वस्तुओं से बना हुआ। पंचामृत का इस्तेमाल पूजा-पाठ में भगवान को अर्पित करने के लिए किया जाता है। इस महाशिवरात्रि आप भगवान शिव के लिए पंचामृत भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।

ब्लैक कॉफी पीने के फायदे

वैज्ञानिकों ने अपनी कई रिसर्च में यह पाया है कि ब्लैक कॉफी में मौजूद कैफीन शरीर में डोपामाइन, सेरोटोनिन और नोराड्रीनलीन की मात्रा को बढ़ाता है। इसमें भरपूर एंटीऑक्सीडेंट्स के साथ मैंगनीज, क्लोरोजेनिक एसिड, पॉलीफेनॉल्स, कैल्शियम, पौटेशियम, मैग्नीशियम ,विटामिन बी2, बी3 और बी4 की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती है। अगर आप भी ब्लैक कॉफी के शौकीन हैं तो आइए जान लेते हैं वेट लॉस से लेकर डायबिटीज तक, आपकी सेहत के मिलते हैं क्या-क्या फायदे।

दिमागी सेहत

ब्लैक कॉफी का सेवन आपकी दिमागी सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। ब्लैक कॉफी पीने से मानसिक सतर्कता और एकाग्रता बढ़ती है। ब्लैक कॉफी दिमाग को शांत करके मेमोरी को बढ़ाने में मदद कर सकती है। इसमें पाया जाने वाला कैफीन मस्तिष्क के न्यूरोट्रांसमीटर को सक्रिय करके बेहतर तरीके से सोचने और कार्य करने में मदद करता है।

तनाव से राहत

ब्लैक कॉफी पीने से मानसिक सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसमें मौजूद कैफीन मस्तिष्क में डोपामिन और सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाकर मूड को अच्छा बनाते हैं। यह डिप्रेशन और एंग्जायटी के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकती है।

मोटापा

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो ब्लैक कॉफी आपकी मदद कर सकती है। बता दें, ब्लैक कॉफी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है, जो मेटाबॉलिज्म में सुधार करके फैट को तेजी से बर्न करते हुए वेट लॉस में मदद कर सकती है। वर्कआउट करने से पहले इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। ताकि शरीर को अधिक ऊर्जा मिलने के कारण व्यक्ति ज्यादा देर तक एक्सरसाइज कर पाए।

कुट्टू के आटे की रोटी

खाना-खजाना

महाशिवरात्रि के व्रत में आलू की सब्जी और दही के साथ कटूटू के आटे की रोटी खाने में बेहद टेस्टी लगती है। कुट्टू अपने टेस्ट की वजह से ही नहीं बल्कि सेहत से जुड़े फायदों की वजह से भी खाने के लिए काफी पसंद किया जाता है। कुट्टू की रोटी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें विटामिन-बी6, प्रोटीन, फाइबर, कार्ब्स, फैट, आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और सोडियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। कुट्टू की रोटी खाने से व्यक्ति का पाचन-तंत्र दुरुस्त रहता है और ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल में रहता है। तो आइए स्वाद और सेहत से जुड़े फायदे लेने के लिए जान लें कैसे बनाई जाती है कुट्टू के आटे की रोटी।

-1 किलो कुट्टू का आटा

-4 उबले हुए आलू

-2 चम्मच सेंधा नमक

-2 चम्मच देसी घी

कुट्टू के आटे की रोटी बनाने का तरीका

कुट्टू के आटे की रोटी बनाने के लिए सबसे पहले गैस पर आलू उबालने के लिए रखें। इसके लिए कुकर में आलू धोकर डालें। इसके बाद कुकर में 1 गिलास पानी डालकर ढक्कन बंद करके 2 सीटी लगाकर आलू उबाल लें। जब आलू उबल जाएं तो इन्हें छीलकर एक बर्तन में रखें। अब कुट्टू का आटा छानकर इसमें उबले हुए आलू मैश करके डालें। इसके बाद इसमें नमक और देसी घी डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद पानी की मदद से आटा गूंथकर तैयार कर लें। आटा गूंथने के तुरंत बाद रोटी बनाना शुरू करें। इसके लिए सबसे पहले तवा गरम करें। कुट्टू के आटे की लोई तोड़कर रोटी बेल लें। रोटी को गरम तवे पर डाल दें। जब एक तरफ से तवे पर रोटी सिक जाए तो पलटकर दूसरी तरफ से भी सेंक लें। आपकी कुट्टू के आटे की रोटी बनकर तैयार है। इसे घी लगाकर गरमागरम आलू की सब्जी और दही के साथ सर्व करें।

आज का राशिफल

मेष : प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे। प्रसन्नता रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा। थकान रहेगी। शत्रु भय रहेगा।

वृषभ : संतान पक्ष की चिंता रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है।

मिथुन : सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान की प्रगति होगी। व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी। मन प्रफुल्लित रहेगा।

कर्क : विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन का संग्रह होगा।

सिंह : यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। दुःखद समाचार मिल सकता है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है। भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी।

कन्या : प्रेम में सफलता मिलेगी। प्रयास सफल रहेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें।

तुला : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम उठाएं। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए। व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक : अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी।

धनु : कुसंगति से बचें। फालतू खर्च होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें।

मकर : लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी।

कुंभ : तीर्थयात्रा हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा।

मीन : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है। रोमांस में सफलता मिलेगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

एल्युमिनियम फॉइल से हो सकती है पैसों की बचत

जानिए घर के कामों में इसका कैसे इस्तेमाल करें

एल्युमिनियम फॉइल बड़े काम की चीज है. इससे अक्सर खाना ही पैक किया जाता है और जब इसका इस्तेमाल हो जाता है तो यह कचरे के डिब्बे में फेंक दिया जाता है. 1903 में फ्रांस में पहली बार एल्युमिनियम फॉइल को बनाया गया ताकि कैंडी खराब ना हो लेकिन यह इंसानों के लिए वरदान साबित हुआ. एल्युमिनियम फॉइल से घर की कई चीजों को साफ किया जा सकता है लेकिन लोग इसे अनजान हैं.

बर्तन कर सकते हैं साफ

अगर घर में स्क्रबर खराब हो गया हो और बर्तन मांजने हैं तो एल्युमिनियम फॉइल को हाथ से गेंद के आकार का बना लें और इस पर साबुन लगाकर बर्तनों को साफ करें. इससे बर्तन चमक जाएंगे. लेकिन ध्यान रहे कि इससे स्टील, कांच या एल्युमिनियम के बर्तन ही केवल साफ करें. कॉपर के बर्तन या नॉन स्टिक बर्तन साफ करने से बचें. इससे उनकी कोटिंग खराब हो सकती है.

चांदी चमक जाएगी

अगर आपके पास चांदी के बर्तन हैं या चांदी की जूलरी है और वह काली पड़ गई है तो उसे जूलरी शॉप से साफ कराने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप बहुत आसानी से घर पर ही सिल्वर को साफ कर सकते हैं. इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी लें और उसमें एल्युमिनियम फॉइल के छोटे-छोटे टुकड़े डाल दें. इस पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और चांदी को 15 मिनट के लिए डालकर छोड़ दें. इसके बाद चांदी को पानी से निकाल दें और एक ब्रश की मदद से उसे साफ करें, चांदी चमक जाएगी.

कपड़े जल्दी होते हैं प्रेस

अक्सर लोग चाहते हैं कि कपड़े जल्दी से प्रेस हो जाएं और सिलवटें भी हट जाएं लेकिन ऐसा हो नहीं पाता. इस झंझट से निपटने के लिए आयरन बोर्ड पर एल्युमिनियम फॉइल की शीट को बिछा दें. दरअसल एल्युमिनियम फॉइल जल्दी गर्म होती है. ऐसे में अगर आप इसके ऊपर कपड़ा रखकर प्रेस करते हैं तो कपड़े दोनों साइड से एक ही समय पर प्रेस हो जाते हैं और सिलवटें भी जल्दी दूर होती हैं.

कैंची की धार होती तेज

कैंची जब पुरानी हो जाती है तो उसकी धार भी कमजोर हो जाती है. ऐसे में एल्युमिनियम फॉइल बहुत मददगार साबित होती है. कैंची की धार पर अगर एल्युमिनियम फॉइल को रगड़ा जाए तो उसकी धार तेज हो जाती है.

केक को दें अपनी मनपसंद शेप

एल्युमिनियम फॉइल से केक को मनचाही शेप दी जा सकती है. इसके लिए महंगे केक पैन खरीदने की जरूरत नहीं है. एल्युमिनियम फॉइल की डबल लेयर लें और उसे क्रॉस, हार्ट जैसी कोई भी शेप दें और उसमें केक को बेक करें.

वाईफाई का सिग्नल होगा बेहतर

अगर वाईफाई का सिग्नल पूरे घर में ठीक तरीके से नहीं आता है तो राउटर के एंटीने पर एल्युमिनियम फॉइल को लपेट दें. इससे वायरलेस सिग्नल हर दिशा में रिफ्लेक्ट होने लगते हैं और इंटरनेट अच्छे से चलने लगता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

रूस भेजने के नाम पर लाखों की ठगी, रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी

रूस भेजने के नाम पर दो लोगों से आईलेट्स संचालक ने 1.20 लाख रुपये की ठगी कर ली। संचालक ने न तो उसको विदेश भेजा और न ही रुपये वापस किए। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ितों की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जालसाजी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली बीसलपुर के मोहल्ला हबीबुल्ला खां निवासी समीर पुत्र अनीस अहमद ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। जिसमें कहाकि थाना अमरिया के ग्राम गायबोझ के नावेद मलिक का सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला भूरे खां में एसआर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर आइलेट्स सेंटर है। नावेद ने रूस में पैकिंग हेल्प कार्य के नौकरी लगवाने का झांसा दिया। नावेद ने कहाकि एक व्यक्ति को रुस भेजने का खर्च डेढ़ लाख रुपया आएगा। वीजा आदि दस्तावेज खुद तैयार करवा देने की बात भी कही। निर्धारित रकम की अधी रकम पहले मांगी गई। आधी रकम वीजा आने के बाद देने को कहा गया। उसने नावेद को 45 हजार रुपये यूपीआई आईडी के माध्यम से दिए जबकि 25 हजार रुपये नकद दिए। उसके पड़ोसी अजीम खां ने भी नावेद को 50 हजार रुपये दिए। उसको वीजा दिया और न ही विदेश भेजा।

जौनपुर में वाराणसी-सुल्तानपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसे, 9 लोगों की मौत, 41 घायल

यूपी के जौनपुर में भीषण सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो गई। वाराणसी- सुल्तानपुर हाईवे पर बदलापुर थाना क्षेत्र के सरोखनपुर गांव के पास बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे से लेकर 3:30 बजे के बीच हुए तो सड़क हादसों में दिल्ली और झारखंड के नौ लोगों की मौत हो गई। दोनों घटनाओं में कुल मिलाकर 40 से अधिक लोग घायल हैं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर से जिला अस्पताल भेजा गया। जहां से 6 को ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

रेखा गुप्ता दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री बनीं

- प्रवेश वर्मा समेत 6 मंत्री बनाए गए

नई दिल्ली. दिल्ली में आज से 'रेखा सरकार'। शालीमार बाग सीट से पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता (50 साल) ने गुरुवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ली। वे दिल्ली की 9वीं और चौथी महिला सीएम बन गई हैं।

रेखा से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी मुख्यमंत्री रहीं। इस समारोह में पीएम मोदी, अमित शाह के अलावा बीजेपी शासित 21 राज्यों के सीएम, डिप्टी सीएम भी मौजूद रहे। आप नेता अरविंद केजरीवाल और आतिशी शपथ में नहीं पहुंचे।

प्रवेश वर्मा समेत 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली

रेखा के अलावा 6 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें अरविंद केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह शामिल है।

शपथ ग्रहण के बाद अब रेखा गुप्ता के सामने उन वादों को पूरा करने की चुनौती है, जिन पर भरोसा करके दिल्ली की जनता ने 48 सीटों पर कमल खिलाया है। रेखा गुप्ता के सामने 4 मुश्किलें भी हैं, जिसकी वजह से कहा जा रहा है कि उन्हें शपथ के बाद अग्निपथ पर चलना होगा।

1. सड़क, सीवर और पानी, दिल्ली तुरंत चाहती है 3 मुश्किलों से निजात

जिस समय रेखा गुप्ता ने सरकार की कमान संभाली है दिल्ली टूटी सड़कों, बजबजाती सीवर लाइनों और अधिकतर घरों में गंदे पानी की आपूर्ति से राजधानी के करोड़ों लोग परेशान हैं। लोग इन तीन समस्याओं को जल्द दूर होते देखना चाहते हैं।

2. मुफ्त वाली स्कीमों का भार, महिलाओं को मासिक 2500 रुपए देने की चुनौती

भाजपा सरकार इस वादे के साथ सत्ता में आई है कि आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान दी

जा रही मुफ्त सुविधाओं को जारी रखा जाएगा। रेखा गुप्ता को एक तरफ जहां मुफ्त बिजली, पानी जैसी सुविधाओं को जारी रखना है तो दूसरी तरफ 'महिला समृद्धि योजना' के तहत महिलाओं को मासिक 2500 रुपए भी देने हैं।

3. यमुना की सफाई आसान नहीं, तीन साल का टारगेट

भाजपा सरकार को तीन साल के भीतर यमुना को साफ करके दिखाना है। भाजपा ने यमुना के प्रदूषण को चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बनाया था। पार्टी ने संकल्प पत्र में वादा किया है कि यमुना को साफ किया जाएगा और तीन साल के भीतर रिवर फ्रंट का निर्माण किया जाएगा। यमुना की मौजूदा हालत को देखते हुए यह काम आसान नहीं होने वाला है।

4. इतना पैसा कहां से आएगा?

रेखा गुप्ता सरकार को जहां एक तरफ कई बड़े वादों को पूरा करना है तो उनके सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि दिल्ली सरकार के खजाने की हालत बहुत अच्छी नहीं है। दिल्ली सरकार का बजट लंबे समय से सरप्लस में रहा है, लेकिन अब यह घाटे में जाने की कगार पर है। सड़कों की स्थिति सुधारने, सीवर सिस्टम में बदलाव, घर-घर साफ पानी पहुंचाने और यमुना सफाई जैसे कामों में जहां भारी-भरकम निवेश करना होगा तो दूसरी तरफ मुफ्त वाली स्कीमों और महिला समृद्धि स्कीम से खजाने पर बहुत बोझ बढ़ने वाला है।

5. पार्टी नेताओं का विश्वास और सहयोग हासिल करना होगा

पहली बार की विधायक रेखा गुप्ता के सामने एक चुनौती पार्टी के सभी नेताओं और विधायकों का सहयोग हासिल करना भी है। पार्टी ने कई वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करके रेखा गुप्ता को मौका दिया है। ऐसे में उन्हें सभी का दिल जीतना होगा ताकि टीम एकजुट होकर वह सपने पूरे कर सके जो दिल्लीवालों को दिखाए गए हैं।

रेखा बोलीं- मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी

शपथ से पहले रेखा गुप्ता ने गुरुवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा, 'यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं PM मोदी और पार्टी हाईकमान का शुक्रिया अदा करती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं दिल्ली की CM बनूंगी। मैं शीशमहल में नहीं रहूंगी।'

दिल्ली के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास को भाजपा ने शीशमहल नाम दिया था। अरविंद केजरीवाल ने इसे बनवाया था। भाजपा का आरोप है कि केजरीवाल ने इसे बनवाने में नियमों को ताक पर रखकर करोड़ों रुपए खर्च किए थे। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा भी बनाया था।

योगी सरकार के बजट में तोहफे ही तोहफे

- 4 एक्सप्रेसवे,
- स्कूटी
- 2 फ्री सिलेंडर और ये ऐलान भी

लखनऊ. योगी सरकार का 9वां बजट हुआ। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए बजट पेश किया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 8 लाख करोड़ से ज्यादा का यूपी बजट पेश किया। मेधावी छात्राओं को पात्रता के आधार पर स्कूटी मिलेगी। चार नए एक्सप्रेसवे की घोषणा की गई है। इसके साथ ही 58 नगर पालिकाओं को स्मार्ट सिटी बनाने का ऐलान किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि उज्जवला योजना में 2 मुफ्त सिलेंडर मिलेगा। अयोध्या में सोलर सिटी बनेगी। 8 डेटा सेंटर पार्क तैयार होगा।

सुरेश खन्ना ने कहा कि इस वर्ष परम पावन तीर्थनगरी प्रयागराज में महाकुम्भ-2025 का भव्य आयोजन हो रहा है। हम सभी जानते हैं कि महाकुम्भ 144 वर्षों में आता है। यह हम सभी के लिये ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत देश और पूरे विश्व के लिये परम सौभाग्य का विषय है कि हम अपने जीवनकाल में आस्था, संस्कृति और मानवता के समागम के इस महापर्व के भागी बन सके। कुम्भ का वर्णन ऋग्वेद एवं अथर्ववेद में मिलता है। यह भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं धार्मिक अक्षुण्णता का परिचायक है। कुम्भ मात्र एक धार्मिक, सांस्कृतिक मेला ही नही है, यह एक दुर्लभ खगोलीय घटना भी है। प्रयागराज में आयोजित होने वाले कुम्भ के विषय में पुराणों का यह श्लोक मैं पढ़ना चाहूँगाः

मेष राशिगते जीवे मकरे चन्द्रभास्करौ।

अमावस्या तदा योगः कुम्भख्यस्तीर्थ नायके ।।

अर्थात बृहस्पति मेष राशि में तथा चन्द्र और सूर्य मकर राशि में जब आते हैं और अमावस्या तिथि हो तो तीर्थो के नायक प्रयाग में कुम्भयोग होता है।

7 दिन के अंदर लौटा दो लूटे हुए हथियार, इसके बाद खैर नही

इंफाल. मणिपुर में जारी हिंसा के बीच राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोगों को 7 दिनों के अंदर लूटे हुए हथियार वापस करने का अल्टीमेटम दिया है। इस दौरान भल्ला ने राज्य में पिछले 20 महीनों से जारी हिंसा और साम्प्रदायिक तनाव के मद्देनजर सभी समुदायों से शांति की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आग्रह किया है कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों और गोला-बारूद को निकटतम पुलिस स्टेशन, चौकी या सुरक्षा बलों के शिविर में अगले सात दिनों के भीतर स्वेच्छा से जमा कर दें। राज्यपाल ने आश्वासन दिया है कि एक सप्ताह के अंदर हथियार लौटाने पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी.

अश्लीलता रोकने के लिए सरकार लाएगी डिजिटल इंडिया बिल

- सोशल मीडिया कंटेट पर नजर रखी जाएगी
- केंद्र करीब 15 महीने से काम कर रहा

नई दिल्ली. सोशल मीडिया पर अश्लीलता रोकने के लिए केंद्र सरकार मौजूदा आईटी एक्ट की जगह डिजिटल इंडिया बिल लाने पर काम कर रही है। नए कानून में यू ट्यूबर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया यूजर्स को रेगुलेट करने के प्रावधान रहेंगे।

डिजिटल इंडिया बिल पर केंद्र

करीब 15 महीने से काम कर रहा है। अलग–अलग क्षेत्र के लिए विशिष्ट प्रावधान वाले कानून बनाए जाएंगे। जैसे दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण संबंधी विषयों के लिए अलग–अलग प्रावधान रखे जाएंगे। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गवर्नेंस की भी व्यवस्था हो। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अलाहबादिया के विवाद के चलते सरकार डिजिटल इंडिया बिल की ओर वापसी कर रही है। हालांकि, एआई गवर्नेंस इससे अलग रखने का फैसला किया है। इसके लिए पूरी तरह अलग नियमन की जरूरत है। सरकार के सामने तुरंत की बाध्यता सुप्रीम कोर्ट को संतोषजनक जवाब देने की है कि आईटी एक्ट की खामियां दूर करने के लिए क्या किया जा रहा है।

भारत लाई जा सकती हैं टेस्ला कारें

- कांडला या मुंद्रा पोर्ट पर कारों की हैंडलिंग के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद
- मुंबई पोर्ट भी विकल्प

मुंबई. दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वान (EV) बनाने वाली कंपनी टेस्ला का भारतीय कार बाजार में प्रवेश करना तय हो गया है। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान टेस्ला के सीईओ एलॉन मस्क ने उनसे मुलाकात की थी। तब से ही टेस्ला के भारत आने की संभावना बढ़ गई है।

टेस्ला की कारों को जर्मनी से गुजरात के कांडला या मुंद्रा बंदरगाह के रास्ते भारत में लाया जा सकता

है। इन दोनों पोर्ट पर कारों की हैंडलिंग के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। हालांकि मुंबई पोर्ट भी टेस्ला कारों के इंपोर्ट के लिए विकल्प हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी चाहते थे कि टेस्ला भारत में प्रोडक्शन शुरू करे, लेकिन एलन मस्क फिलहाल चाहते हैं कि भारत में कारें जर्मनी के बर्लिन स्थित प्लांट से आयात की जाएं।

इस बारे में मुंबई पोर्ट अथॉरिटी और कांडला स्थित पंडित दीनदयाल पोर्ट ट्रस्ट के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने कहा,

भारत में टेस्ला के आयात के लिए दो विकल्प हैं– गुजरात और मुंबई। अन्य राज्यों के साथ बंदरगाह संपर्क और तेज परिवहन के मामले में गुजरात के बंदरगाह टेस्ला के लिए सबसे अच्छा विकल्प हैं। हम इस प्रकार के कार्गो को संभालने के लिए तैयार हैं।

मुंबई पोर्ट भी टेस्ला के लिए एक अच्छा विकल्प है। मुंबई बंदरगाह पर वर्तमान कार्गो हैंडलिंग को देखते हुए, उत्तर भारत और अन्य राज्यों के बंदरगाहों से कारों का परिवहन गुजरात की तुलना में आसान होगा।

टेलिग्राम पर बेची जा रही महाकुंभ में आई महिलाओं की तस्वीरें

नई दिल्ली. महाकुंभ में स्नान करने गईं महिलाओं और लड़कियों के वीडियो को टेलिग्राम पर बेचा जा रहा है.मेटा के प्लेटफॉर्म पर भी ये निजी वीडियो मौजूद है.यूपी पुलिस इस मामले की छानबीन में जुट गई है.

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्नान करने गईं महिलाओं और लड़कियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए गए हैं.ये वीडियो उस वक्त रिकॉर्ड किए गए जब ये महिलाएं गंगा में स्नान कर रही थीं या कपड़े बदल रही थीं.मेटा के प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और फेसबुक पर महाकुंभ से जुड़े हैशटैग और कीवर्ड के साथ ये वीडियो शेयर किए गए.

जजों के खिलाफ लोकपाल जांच, सुप्रीम कोर्ट की रोक

- SC ने कहा- यह बहुत परेशान करने वाला
- केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को लोकपाल के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना लोकपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है।

जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस अभय एस ओका की बेंच ने गुरुवार को मामले पर खुद सुनवाई की और कहा कि यह बहुत परेशान करने वाली बात है। कोर्ट ने केंद्र सरकार, लोकपाल रजिस्ट्रार, शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए निर्देश दिया कि 18 मार्च को अगली सुनवाई होगी। तब तक जजों के नाम और शिकायत का खुलासा नहीं करना है।

जस्टिस गवई बोले- यह परेशान करने वाली बात है

जस्टिस गवई और जस्टिस ओका ने कहा कि देश में संविधान लागू होने के बाद भी हाई कोर्ट के जज संवैधानिक प्रहरी के तौर पर काम करते रहे हैं। उन्हें एक वैधानिक पदाधिकारी नहीं माना जा सकता। यह परेशान करने वाली बात है। इस पर केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हाईकोर्ट के जज कभी भी लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के दायरे में नहीं आएंगे।

- आरोप- कंपनी के पक्ष में फैसले के लिए जजों से सिफारिश की

दरअसल, लोकपाल ने 27 फरवरी को एक आदेश जारी कर हाईकोर्ट के एक मौजूदा एडिशनल जज के खिलाफ दो शिकायतों पर कार्रवाई की बात कही थी।

लोकपाल ने कहा कि हाई कोर्ट का जज लोकपाल अधिनियम की धारा 14 (1) (f) के दायरे में एक व्यक्ति के रूप में योग्य होगा।

इन शिकायतों में आरोप था कि संबंधित जज ने एक निजी कंपनी के पक्ष में फैसला लेने के लिए हाईकोर्ट के एक अन्य जज और एक एडिशनल जिला जज को सिफारिश की।

सबसे बड़ी बात यह है कि जिस जज के खिलाफ फैसले को प्रभावित करने का आरोप है, वह किसी समय में इसी कंपनी के लिए वकालत कर चुके हैं।

दिल्ली में RSS दफ्तर केशव कुंज का उद्घाटन

- नई इमारत 150 करोड़ में बनी
- भागवत बोले- जितना भव्य भवन, उतना भव्य कार्य करना है

नई दिल्ली. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) चीफ मोहन भागवत ने दिल्ली में संघ की नई बिल्डिंग 'केशव कुंज' का इनॉगरेशन किया।

इस दौरान भागवत ने कहा कि संघ का काम लगातार बढ़ रहा है और अब यह देशभर में तेजी से फैल रहा है। जितना भव्य भवन उतना भव्य कार्य करना है।

हमारा लक्ष्य भारत को फिर से 'विश्वगुरु' बनाना है और हम इसे अपने जीवनकाल में जरूर देखेंगे। इसके लिए हर स्वयंसेवक को निःस्वार्थ भाव से काम करना होगा।

भागवत ने आगे कहा;– दिल्ली देश का केंद्र है और यहां से संघ का मार्गदर्शन होता है, इसलिए इस नए कार्यालय की जरूरत महसूस की गई थी।

इमारत में 12 मंजिला 3 टावरों में 300 कमरे

- दिल्ली के इस दफ्तर में संघ 1962 से यहां काम कर रहा है। नया कंस्ट्रक्शन 2018 में शुरू हुआ था, जो 8 साल बाद पूरा हुआ।
- गुजरात के आर्किटेक्ट अनूप दवे ने इसे डिजाइन किया है। बिल्डिंग को मॉडर्न और ओल्ड दोनों की तरह का लुक दिया गया है।
- 3 .75 एकड़ में फैले 150 करोड़ की लागत से बनाए गए नए दफ्तर में 12 मंजिला वाले 3 टावर– साधना, प्रेरणा और अर्चना हैं। इनमें 300 कमरे–ऑफिस हैं। दावा है कि यह रकम 75 हजार लोगों ने दान दी थी।

'समय बदला, लेकिन संघ के सिद्धांत नहीं बदले'

मोहन भागवत ने कहा कि संघ का दायरा कई स्तरों पर बढ़ रहा है, इसलिए हर स्वयंसेवक को निष्ठा और कर्तव्यनिष्ठा से काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ परिस्थितियां बदली हैं, लेकिन संघ के सिद्धांत और दिशा नहीं बदलनी चाहिए।

श्रीराम जन्मभूमि न्यास के कोषाध्यक्ष पूज्य गोविंददेव गिरी महाराज ने इनॉगरेशन के दौरान कहा कि आज का दिन खास है, क्योंकि संघ के द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी और छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती भी है।

न्यूजीलैंड ने 60 रन से जीता ओपनिंग मैच

- बाबर-फखर की धीमी बैटिंग से हारा पाकिस्तान

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी के ओपनिंग मैच में 60 रन से हरा दिया। बुधवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान ने बॉलिंग चुनी। न्यूजीलैंड ने 5 विकेट खोकर 320 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान टीम 47.2 ओवर में 260 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रन चेज में बाबर आजम और फखर जमान की धीमी बल्लेबाजी पाकिस्तान की हार का बड़ा कारण बनी।

न्यूजीलैंड से टॉम लैथम ने

118, विल यंग ने 107 और ग्लेन फिलिप्स ने 61 रन बनाए। विलियम ओरूर्क और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 3-3 विकेट लिए। पाकिस्तान से खुशदिल शाह ने 69 और बाबर आजम ने 64 रन बनाए। नसीम शाह और हारिस रउफ को 2-2 विकेट मिले।

प्लेयर ऑफ द मैच

73 रन पर 3 विकेट गिर जाने के बाद न्यूजीलैंड से विकेटकीपर टॉम लैथम बैटिंग करने उतरे। उन्होंने विल यंग और ग्लेन फिलिप्स के साथ 2 सेंचुरी पार्टनरशिप कीं। लैथम ने 118 रन बनाए और टीम का स्कोर 320 रन तक पहुंचा दिया। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

ग्लेन फिलिप्स: नंबर-6 पर बैटिंग करने उतरे फिलिप्स ने महज 39 गेंद पर 61 रन बनाए। उनकी पारी ने ही टीम का स्कोर 320 रन तक पहुंचा दिया।

विलियम ओरूर्कः पावरप्ले-1 में कीवी बॉलर्स ने महज 22 रन दिए। ओरूर्क ने 2 विकेट भी झटक लिए। बाद में उन्होंने खुशदिल का बड़ा विकेट लिया और पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया।

Konark Bank™
The Konark Urban Co-op. Bank Ltd.
Common Man's Bank
(Reg. No. TNA/BNK/0/105/97-98 Dt 27/03/98)
H.O.: Konark Plaza, Ground Floor, Near Sapna Theatre, Ulhasnagar-421 003.
Tel.: (0251) 2731675/76/78. E-mail: konark@konarkbank.com

विशेष आम बैठक की सूचना

इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि द कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, उल्हासनगर-421003 के सदस्यों की विशेष आम बैठक शनिवार, । मार्च, 2025 को हीरा मैरिज हॉल, चौथी मंजिल, रतन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, अमन टॉकीज रोड, उल्हासनगर-421003 में सुबह 11.00 बजे निम्नलिखित व्यवसाय करने के लिए आयोजित की जाएगीः -

उक्त विशेष आम बैठक में आपकी उपस्थिति अपेक्षित है। यदि पर्याप्त कोरम उपस्थित न हो तो उक्त बैठक की कार्यवाही निर्धारित समय से आधे घंटे तक प्रतीक्षा करने के बाद प्रारंभ की जायेगी।

एजेंडाः

कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, उल्हासनगर (महाराष्ट्र) का विलयन स्मृति नागरिक महकारी बैंक मर्यादित, मंदसौर (म.प्र.) के साथ।

आपका विश्वासी,
एम डी/-
(विशाल जाधवर)
प्रशासक

एस डी/-
(सी.टी. करिया)
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

स्थानः उल्हासनगर
दिनांकः 06/02/2025

आम सूचना

हम श्रीमती मनिषा घनश्यामदास हीरानंदाणी व श्रीमती कविता मेंघराज कोटवाणी सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 201, 2रा माला, शेरावाली पैलेस, सामने बैरक नं. 552, 548, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 23बीआय017765900) उक्त प्रॉपर्टी श्री हास्सानंद वसंतराम भाटिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.1.2008 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुशिला तुकाराम खंडागले व माही तुकाराम खंडागले

आम सूचना

मैं श्रीमती सरोज गुलाब गुप्ता सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. 1, ग्राऊंड फ्लोर, बैरक नं. 138-बी, रुम नं. 3 के सामने, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 05एओ017838000(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री सन्नी प्रकाशलाल खत्री के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.2.2025 सी.नं. 417 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सरोज गुलाब गुप्ता

आम सूचना

मैं श्रीमती नीतू सुधाकर पांडेय सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, 192 चौ.फुट, शास्त्री नगर, धोबीघाट, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 25बीओ004495500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती प्रीती सतीष राजभर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.2.2025 सी.नं. 3747 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती नीतू सुधाकर पांडेय

आम सूचना

मैं श्रीमती चंद्रा मोहनदास वलेचा सभी को सूचित कर रही हूं कि शाप नं. 3, 386 चौ.फुट, ग्राऊंड फ्लोर, शिव अपार्टमेंट, रुम नं. 2,3,4,5, बैरक नं. 274, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 20बीआय016480900) उक्त प्रॉपर्टी श्री गोपालदास वरंदमल लुंड के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.6.1998 सी.नं. 1389 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती चंद्रा मोहनदास वलेचा

संक्षेप...

एक यात्री ने तीन पर किया चाकू से हमला

कल्याण. कल्याण से दादर जा रही फास्ट लोकल ट्रेन से उतरने को लेकर हुए विवाद के बाद एक यात्री ने तीन यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया. हाथ और उंगली पर चाकू से हुए हमले में तीन यात्री अक्षय वाघ, हेमंत कांकरिया और राजेश चांगलानी घायल हो गए हैं.

घायल यात्रियों ने कल्याण से दादर के लिए तेज़ लोकल पकड़ी, इस लोकल में डोंबिवली के 19 वर्षीय यात्री शेख जिया हुसैन बैठे . शेख जिया हुसैन मुंब्रा में उतरना चाहते थे लेकिन यात्रियों ने उन्हें बताया कि यह मुंब्रा में नहीं रुकती जैसे ही हुसैन शेख उतरने की कोशिश कर रहा था, एक यात्री ने उसे टक्कर मार दी और बहस शुरू हो गई, इसी बहस के दौरान कुछ यात्रियों ने जिया शेख की पिटाई शुरू कर दी. लेकिन जिया ने उसके पास मौजूद चाकू से यात्रियों पर हमला कर दिया जिसमें तीन यात्री घायल हो गये.

कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे को अदालत ने सुनाई दो साल की सजा

मुंबई. महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे एक धोखाधड़ी के मामले दोषी पाए गए हैं। उन्हें नासिक की एक अदालत ने दो साल की कैद की सजा सुनाई है और 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। सहायक लोक अभियोजक पूनम घोटके ने कहा, हमने इस मामले में कुल 10 गवाहों की जांच की थी।

सभी 10 गवाहों की जांच के बाद अदालत ने माणिकराव कोकाटे और उनके भाई विजय कोकाटे को दो साल की कैद और 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। पूर्व मंत्री दिवंगत टीएस दिघोले की शिकायत पर 1995 में दर्ज इस मामले में अदालत ने माणिकराव के भाई सुनील कोकाटे को भी दोषी करार दिया।

मामला 30 साल पुराना है। 1995 में दिवंगत पूर्व मंत्री टीएस दिघोले ने शिकायत की थी कि कोकाटे भाइयों को मुख्यमंत्री के 10 प्रतिशत विवेकाधीन कोटे के तहत येओलाकर माला में कॉलेज रोड पर दो फ्लैट मिले थे। दोनों भाइयों ने दावा किया था कि उनके पास फ्लैट नहीं थे और वे एलआईजी वर्ग से थे।

दिघोले की शिकायत पर सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में कोकाटे भाई-बहन और दो अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और अन्य अपराधों का मामला दर्ज किया गया था। गुरुवार को नासिक जिला और सत्र अदालत ने दोनों भाइयों को दोषी ठहराया। जबकि दो अन्य को बरी कर दिया गया। मंत्री कोकाटे ने कहा कि मैंने मामले में जमानत ले ली है और आदेश के खिलाफ अपील दायर करूंगा।

प्रतिद्वंद्वी एनसीपी (एसपी) ने मांग की कि फैसले के बाद कोकाटे को इस्तीफा दे देना चाहिए। वह भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के दूसरे मंत्री होंगे जो मुश्किलों में घिरे हुए हैं। एनसीपी नेता और कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे दिसंबर 2024 में बीड जिले में एक गांव के सरपंच की नृशंस हत्या से संबंधित जबरन वसूली के मामले में अपने करीबी सहयोगी की गिरफ्तारी के बाद मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।

कोकाटे की विधायकी पर संकट?

यदि कोकाटे को उच्च न्यायालय से कोई राहत नहीं मिलती है तो उनकी विधायकी जा सकती है। संवाददाताओं से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि मामला दिघोले ने दायर किया है, जिनके साथ उनकी राजनीतिक दुश्मनी है। उन्होंने कहा, मैंने फैसले के खिलाफ अपील दायर करने का फैसला किया है। हम कानून के अनुसार सब कुछ करेंगे...हम उच्च न्यायालय जाएंगे। मुझे सत्र न्यायालय से जमानत मिल गई है।

लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों को झटका,

काटे जाएंगे 9 लाख महिलाओं के नाम

मुंबई. महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों को बड़ा झटका लगने जा रहा है। इस योजना में शामिल महिलाओं की संख्या में नौ लाख की कमी आने वाली है। 5 लाख महिलाओं के नाम पहले ही काटे जा चुके हैं। अब खबर है कि 4 लाख नए नाम काटे जाएंगे। बताया जा रहा है कि इससे राज्य सरकार को 945 करोड़ रुपए की बचत होगी।

पांच लाख महिलाएं नमो शेतकरी योजना और लाडकी बहिन योजना का लाभ उठा रही हैं। इन महिलाओं को लाडकी बहिन योजना से केवल 500 रुपये मिलेंगे, जबकि नमो शेतकरी योजना से उन्हें 1000 रुपये मिलेंगे। दिव्यांगजन विभाग से लाभ पाने वाली महिलाओं को लाडकी बहिन योजना से बाहर रखा गया है। 2.5 लाख महिलाएं ऐसी हैं जो वाहन चलाती हैं। उन्हें भी इस योजना से बाहर रखा गया है। इसके साथ ही कई महिलाएं ऐसी भी हैं जो मापदंडों पर खरी नहीं उतरती हैं और उन्होंने यह पैसा वापस करना शुरू कर दिया है।

लाडकी बहिन योजना की लाभार्थियों को हर साल जून महीने में बैंक जाकर ई-केवाईसी पूरा करना होगा और जीवन प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। ई-केवाईसी हर साल 1 जून से 1 जुलाई के बीच करवाना होगा। जो महिलाएं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाती हैं और जिनकी आय 2.5 लाख रुपये से अधिक है, उन्हें इस योजना के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। राज्य सरकार यह जांचने के लिए आयकर विभाग की मदद लेगी कि लाभार्थी महिलाओं की आय 2.5 लाख रुपये से अधिक है या नहीं।

इस योजना के तहत लगभग 16.5 लाख महिलाओं के खातों में सीधे पैसा भेजे जाने के बाद, आवेदन में दिए गए नामों और जिस बैंक खाते में पैसा जमा किया गया था, उसके नामों में विसंगतियां पाई गईं। ऐसे लाभार्थियों की जिला स्तर पर पुनः जांच की जाएगी तथा अपात्र पाए जाने वालों को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। खबर है कि जिन महिलाओं का आधार कार्ड इस योजना से लिंक नहीं होगा, उन्हें भी इस योजना से बाहर रखा जाएगा।

ठक्कर प्लाजा बिल्डिंग सील

- बिल्डिंग में लगी आग के बाद मनपा ने उठाया कड़ा कदम

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. मंगलवार शाम को कासार अली के भीड़ भरे बाजार इलाके में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ठक्कर प्लाजा की दूसरी मंजिल पर चल रही कोचिंग क्लास में आग लग गई थी.इस वक्त स्थानीय युवाओं ने अपनी जान जोखिम में डालकर इस जगह पर फंसे छात्रों की जान को बचाया, जिसके बाद पास में स्थित फायर ब्रिगेड के दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया. शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग में बड़ी संख्या में क्लासरूम और ऑफिस हैं और बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ठक्कर स्वीट नामक एक मिठाई और खाने की प्रसिद्ध दुकान है.

जानकारों ने बताया कि इस बिल्डिंग में कोई भी फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं रखा गया था. घटना को गंभीरता से लेते हुए भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने तुरंत इमारत को सील करने का आदेश दिया. इसके बाद वार्ड समिति क्रमांक 5 के सहायक आयुक्त बलराम जाधव, फायर ब्रिगेड प्रमुख राजेश पवार, कार्यालय अधीक्षक समीर जवारे और भूमि लिपिक अभिजीत तांबे ने बिल्डिंग को जाने वाले रास्ते को बंद कर देर रात इमारत को सील कर दिया.अब यह देखना है कि इस भीड़ भाड़ वाले इलाके में स्थित ठक्कर प्लाजा बिल्डिंग में हुए हादसे के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाता है और उसके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है.

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई. एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस को गुरुवार सुबह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी भरे गुमनाम कॉल और ईमेल मिले हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारी ने बताया कि गोरेगांव, जे जे मार्ग पुलिस स्टेशन और राज्य सरकार के मुख्यालय मंत्रालय के कंट्रोल रूम में धमकी भरे कॉल आए हैं। उन्होंने बताया कि कॉल करने वाले ने डीसीएम शिंदे की कार को बम से उड़ाने की धमकी दी है। धमकी के मद्देनजर एकनाथ शिंदे के आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है.

भिवंडी मनपा की ओर से 'जय शिवाजी जय भारत' पदयात्रा का भव्य आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई भिवंडी मनपा ने शिव जयंती के मौके पर 'जय शिवाजी जय भारत' पदयात्रा का भव्य आयोजन किया.उक्त अवसर पर नवनियुक्त प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के हाथों से भिवंडी मनपा के मुख्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई. छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर छत्रपति शिवाजी महाराज की विशाल अश्वरूढ़ प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई. चाचा नेहरू विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कमिश्नर अनमोल सागर ने मार्गदर्शन किया.इसके बाद शुरू हुई पदयात्रा में अतिरिक्त आयुक्त देवीदास पवार, विठ्ठल डाके, सिटी इंजीनियर जमील पटेल, उपायुक्त रोहिदास दोरकुलकर, बालकृष्ण क्षीरसागर, शैलेश डोंडे,

प्रणाली घोंघे, डॉ.अनुराधा बाबर, मुख्य चिकित्साधिकारी, संदीप गाडेकर, सह पुलिस आयुक्त (पूर्व) सचिन सांगले, सह पुलिस आयुक्त (पश्चिम) दीपक देशमुख, सभी नगर सहायक आयुक्त, विभाग प्रमुख, कर्मचारी, स्कूली छात्र, शिक्षक, आशा कार्यकर्ता, एनसीसी इसमें बड़ी संख्या में एनएसएस, स्काउट गाइड, आरएसपी के विद्यार्थी, खिलाड़ी और शहर के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.पदयात्रा के अंत में विद्यालय के छात्रा कुमारी संस्कृति सदानंद म्हात्रे ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर प्रभावशाली भाषण दिया.उक्त अवसर पर आयुक्त अनमोल सागर ने भिवंडी शहर के राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। साथ ही शिव जयंती के अवसर पर मनपा के पुस्तकालय विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित पुस्तकों की एक प्रदर्शनी ₹शिव गाथा₹ का आयोजन किया. उद्यान विभाग के माध्यम से एक वृक्ष मा के नाम से एक पेड़ लगाया गया.

नकली नोट के साथ एक गिरफ्तार

मुंबई. विक्रोली पार्कसाईट के स्लम में दिल्ली से आई डीआरआई ने बड़ी कार्यवाई करते हुए डुप्लीकेट नोट छापने को लेकर छापेमारी की है,दिल्ली से आई डीआरआई की टीम ने पार्क साइट के स्लम में शिवकृपा सोसायटी के एक दुमंजिला मकान में छापा मारकर एक ब्यक्ति को हिरासत में लिया है.घर के ऊपर महले के अंदर से कंप्यूटर, प्रिंटिंग मशीन के अलावा 50 रुपए की कुछ नकली करेंसी बरामद की है.स्थानीय स्तर से मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले ही किराए पर रहने आया था जो कि चेहरे से नेपाली मूल का लगता है जिसका नाम बिट्टा है,सोसायटी के लोगो का कहना है कि ज्यादा समय घर के अंदर ही रहता था एक स्थानीय मित्र के सम्पर्क में था उसी ने उसे किराए का मकान दिलाया था.हालांकि किशी भी जांच टीमने अभी इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नही दी है.जांच टीम ने मकान को किराए पर दिलाने वाले सख्स भी पूछताछ कर रही है.छापेमारी इतनी गोपनीय थी कि स्थानीय स्तर पर किसी भी जांच एजंसी को भनक नही लगी.

देश को छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों की जरूरत

- एचआर हेड श्रीकांत गोरे का प्रतिपादन
- सेंचुरी रेयान में शिवजयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

उल्हासनगरः छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपनी वीरता और कुशल नेतृत्व से एक शक्तिशाली स्वराज्य का निर्माण किया और देश को छत्रपति के विचारों की आवश्यकता है। यह विचार सेंचुरी रेयान कंपनी के एचआर हेड श्रीकांत गोरे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर शहाड में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए व्यक्त किए। महाराष्ट्र सहित पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रमों, जुलूसों और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से छत्रपति शिवाजी के विचारों का सम्मान किया जा रहा है। इसी तर्ज पर शहाड में सेंचुरी रेयान कंपनी के एचआर हेड श्रीकांत गोरे के मार्गदर्शन में शहाड गांव क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। इस मौके पर वे मार्गदर्शन देते हुए बोल रहे थे।

इस अवसर पर उल्हासनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विष्णु ताम्हाणे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वे छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मना रहे हैं। शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सेंचुरी रेयान कंपनी के कर्मचारी अपने परिवार सहित कार्यक्रम में उपस्थित थे। सेंचुरी रेयान कंपनी के जनसंपर्क अधिकारी मेहुल लालका ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि सेंचुरी रेयान यूनिट की ओर से हर वर्ष छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है।

छत्रपति शिवाजी महाराज हम सबके आराध्य देवता : संतोष शेट्टी

- स्वाभिमान सेवा संस्था की ओर से मनाई गई शिव जयंती

भिवंडी. आराध्या दैवत छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर जगह हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है. स्वाभिमान सेवा संस्थान, महामुनि मार्कंडेय पुस्तकालय समिति और वसंतराव डावखरे वरिष्ठ नागरिक कट्टा की ओर से वरिष्ठ पूर्व नगरसेवक शिवसेना नेता संतोष शेट्टी की उपस्थिति में छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन कर शिव जयंती मनाई गई. इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वाभिमान सेवा संस्था, पुस्तकालय समिति एवं स्थानीय वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे.

10 करोड़ रुपये का मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद

- गेस्ट हाउस से पकड़े गए दो तस्कर

मुंबई. मुंबई पुलिस ने गुरुवार को ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपियों से 10.08 करोड़ रुपये मूल्य की मेफेड्रोन ड्रग बरामद की गई है. यह कार्रवाई मुंबई क्राइम ब्रांच ने की, जिसने एक निजी गेस्ट हाउस में छापेमारी कर इन तस्करों को रंगे हाथों पकड़ा.

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग ड्रग्स की तस्करी के लिए दादर (पूर्व) स्थित स्वामीनारायण मंदिर के पास एक निजी गेस्ट हाउस में मिलने वाले हैं. इस सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार शाम गेस्ट हाउस के पास जाल बिछाया और संदिग्धों की निगरानी शुरू की. देर रात दोनों आरोपी गेस्ट हाउस पहुंचे और मेफेड्रोन की खेप सौंपने की तैयारी करने लगे. इसी दौरान उनमें से एक को पुलिस की मौजूदगी का आभास हुआ और उसने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया. इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने आरोपियों के पास से 5.4 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग जब्त की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 10.08 करोड़ रुपये बताई जा रही है. पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जहांगीर शाह आलम शेख (29) गोवंडी और सेनाउल जुलुम शेख (पश्चिम बंगाल) के रूप में की है.

उल्हासनगर महानगरपालिका

मालमत्ता कर विभाग

प्रेसनोट

शहरातील नागरिक व बंधू भगिनींना जाहिर आवाहन करण्यात येते की, मालमत्ता कर थकबाकी धारकांसाठी 'अभय योजना २०२४-२५' लागू करण्यात आलेली आहे. अभय योजनेचा कालावधी दिनांक २४/०२/२०२५ ते १८/०३/२०२५ पर्यंत आहे. अभय योजना तीन टप्प्यात लागू करण्यात आलेली आहे.

टप्पा क्रमांक	कालावधी	मागणीचा तपशिल	विलंब शास्ती माफीचा तपशिल
1.	दिनांक २४ फेब्रुवारी, २०२५ ते दिनांक ०६ मार्च, २०२५	थकबाकीसह चालु कराची संपूर्ण रक्कम एकरकमी भरणा केल्यास	१०० टक्के विलंब शास्ती माफ (थकबाकीसह चालु रक्कमेवर आकारण्यात आलेली शास्तीची रक्कम)
2.	दिनांक ०७ मार्च, २०२५ ते दिनांक १२ मार्च, २०२५	थकबाकीसह चालु कराची संपूर्ण रक्कम व २५ टक्के शास्तीची रक्कम एकरकमी भरणा केल्यास	७५ टक्के विलंब शास्ती माफ (थकबाकीसह चालु रक्कमेवर आकारण्यात आलेली शास्तीची रक्कम)
3.	दिनांक १३ मार्च, २०२५ ते दिनांक १८ मार्च, २०२५	थकबाकीसह चालु कराची संपूर्ण रक्कम व ५० टक्के शास्तीची रक्कम एकरकमी भरणा केल्यास	५० टक्के विलंब शास्ती माफ (थकबाकीसह चालु रक्कमेवर आकारण्यात आलेली शास्तीची रक्कम)

नागरिकांची मागणी व लोकप्रतिनिधींच्या आग्रहास्तव सदरची अभय योजना ही एक वेळची बाब म्हणून जाहिर करण्यात येत असून, ही अंतिम अभय योजना आहे. त्यानुसार विलंब शास्ती माफीचा लाभ घेवून आपले थकीत कराचा भरणा करुन महानगरपालिकेस सहकार्य करावे.

सही/-
(निलम चंद्रकांत कदम)
कर निर्धारक व संकलक
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा/पीआरओ।98/2025
दिनांकः 20/02/2025

फिल्मों के लिए सोहा ने छोड़ी थी बैंक की नौकरी

बोलीं- पेरेंट्स इसके खिलाफ थे, मां ने भाई सैफ को माना था दोषी

सोहा अली खान कभी फिल्मों में नहीं आना चाहती थीं। वे बैंक में नौकरी करती थीं। हालांकि जब अमोल पालेकर ने उन्हें फिल्म पहेली ऑफर की तो उन्होंने बैंक की नौकरी छोड़ दी थी। लेकिन बाद में न तो उन्हें फिल्म मिली और न ही नौकरी बची।

सोहा ने कहा- मां फिल्मों में काम करती थीं, लेकिन हमने ज्यादा हिंदी फिल्में नहीं देखी थीं। शुरुआत में मैंने भी फिल्मों में आने के बारे में सोचा नहीं था। मेरा ज्यादा ध्यान पढ़ाई में रहता था। इस वजह से पेरेंट्स भी बहुत खुश रहते थे। उन्होंने मेरी पढ़ाई में बहुत लागत लगाई थी। वे भी चाहते थे कि मैं फिल्मों में न जाऊं, दूसरा कुछ करूं और मैंने किया भी। मैं एक बैंकर थी। मैंने 13 महीने तक यह नौकरी की थी। यह बातें सोहा ने Quizzitok के इंटरव्यू में कहीं।

फिल्मों में आने से खुश नहीं थे पेरेंट्स

सोहा ने कहा, 'इसी बीच मुझे अमोल पालेकर ने फिल्म ऑफर की। वे मुझे और एक एक्टर को लॉन्च करना चाहते थे। यह फिल्म पहेली थी। मैंने इस ऑफर को स्वीकार कर लिया था। मुझे पता था कि पेरेंट्स इस चीज के लिए कभी तैयार नहीं होंगे। इस वजह से मैंने 3 महीने तक यह बात घरवालों से छिपाकर रखी।

उधर बैंक की नौकरी भी छोड़ दी। सारे सेविंग्स खत्म हो गए थे। जब मैंने पेरेंट्स को यह बात बताई तो वे बिल्कुल खुश नहीं थे। हालांकि लास्ट में मैं फिल्म पहेली का हिस्सा नहीं बन पाई और उसमें रानी मुखर्जी को कास्ट किया गया।'

सोहा बोलीं- मां ने भाई को दी थी चेतावनी

सोहा ने बताया कि मां शर्मिला टैगोर ने भाई सैफ अली खान को चेतावनी दी थी कि अगर वे फिल्मों में आती हैं तो गलती सैफ की होगी। उन्होंने कहा, 'मां ने भाई से कहा था कि तुम ही इसके दिमाग में गलत चीजें भरते हो। मत करो ऐसा।'

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099